चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी वेबसाइट देखने वालों की खैर नहीं

■ कुणाल

नई दिल्ली। एसएनबी

चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी वेबसाइट देखने का दुस्साहस करने वाले सावधान हो जाएं। छुप-छुपकर ऐसी वेबसाइट को देखना अब महंगा पड़ेगा। केन्द्र सरकार इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के मूड में है। इसी प्रयास के तहत संचार मंत्रालय ने सीबीआई के जरिए इंटरपोल से मदद मांगी है और इंटरपोल से वह सूची मांगने का आग्रह किया है, जिसके तहत उसने 800 से ज्यादा चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी वेबसाइट की पहचान की है।

भारत सरकार ने देश में इस तरह की वेबसाइटों पर कैसे लगाम कसी जाए, इस पर भी विशेषज्ञों से बातचीत शुरू कर दी है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय पहले ही सरकार को इस मामले में फटकार लगाते हुए कह चुका है कि इन वेबसाइटों को प्रतिबंधित कैसे किया जाए, इस पर वह पूरा ब्यौरा सौंपे। सरकार ने इंटरपोल को लिखा आग्रह पत्र सीबीआई को सौंपा है, क्योंकि सीबीआई भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी है। गत वर्ष भारत सरकार ने करीब 857 ऐसी वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में एक आदेश के तहत कहा गया था कि इन वेबसाइटों को बच्चों से संबंधित अश्लील चीजों को हटाकर चला सकते हैं। ज्यादातर विशेषज्ञों की राय है कि अभी ऐसी कोई प्रणाली विकसित नहीं हो पाई है, जिसके तहत जिन सर्वरों से ये वेबसाइट ऑपरेट होती हैं, उनको प्रतिबंधित किया जा सके। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अगर कोई प्रॉक्सी सर्वर से फिर से वेबसाइट ऑपरेट कर रहा हो तो उसे रोकना नामुमकिन है।

सरकार सख्त कार्रवाई के मूड में

इंटरपोल से मांगी वह सूची, जिसके तहत उसने 800 से ज्यादा चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी वेबसाइट की पहचान की

2015 में इंटरपोल ने एक कोर्डिनेटेड ऑपरेशन के तहत एक साथ पंद्रह देशों में कई ठिकानों पर छापेमारी की थी और करीब 60 ऐसे लोगों को पकड़ा था, जो अमेरिका और यूरोप से इंटरनेट पर चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी वेबसाइट देखकर मजे ले रहे थे। यहां तक कि भारत में अगस्त 2015 में कोयम्बटूर में एक लड़के को गिरफ्तार किया गया था, जो चाइल्ड प्रॉर्नोग्राफी को अपलोड कर रहा था। उसी वर्ष 47 वर्षीय एक भारतीय पुजारी को अमेरिका के फ्लोरिडा में इसी कारण गिरफ्तार किया गया था।